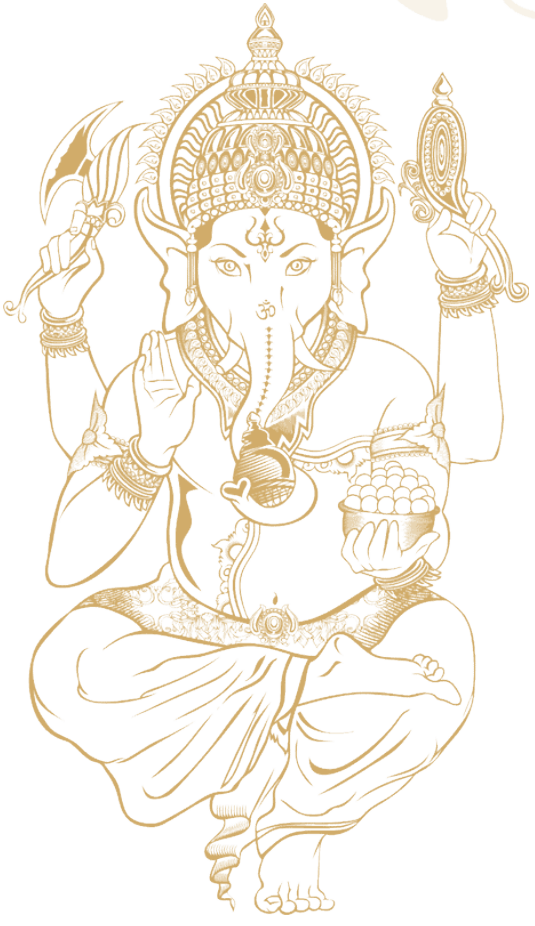

Bhavya

20 Oct 2023

09:55 PM

Didwana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120194203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/10/2023**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:55:00 घंटे**
इष्ट	38:21:47 घटी
स्थान	**Didwana**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:23:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:09 घंटे
साम्पातिक काल	23:18:54 घंटे
सूर्योदय	06:34:17 घंटे
सूर्यास्त	17:58:25 घंटे
दिनमान	11:24:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:49:54 तुला
लग्न के अंश	08:16:36 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:16:36	327:33:35	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			तुला	02:49:54	00:59:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			धनु	14:02:14	13:40:44	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	तुला	11:35:45	00:40:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	तुला	03:08:26	01:40:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	18:07:09	00:07:37	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	16:27:30	00:58:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	06:30:30	00:01:29	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	00:41:30	00:00:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	00:41:30	00:00:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मेष	27:49:58	00:02:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		मीन	01:16:30	00:01:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	03:43:38	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	24:37:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:14

लग्न-चलित

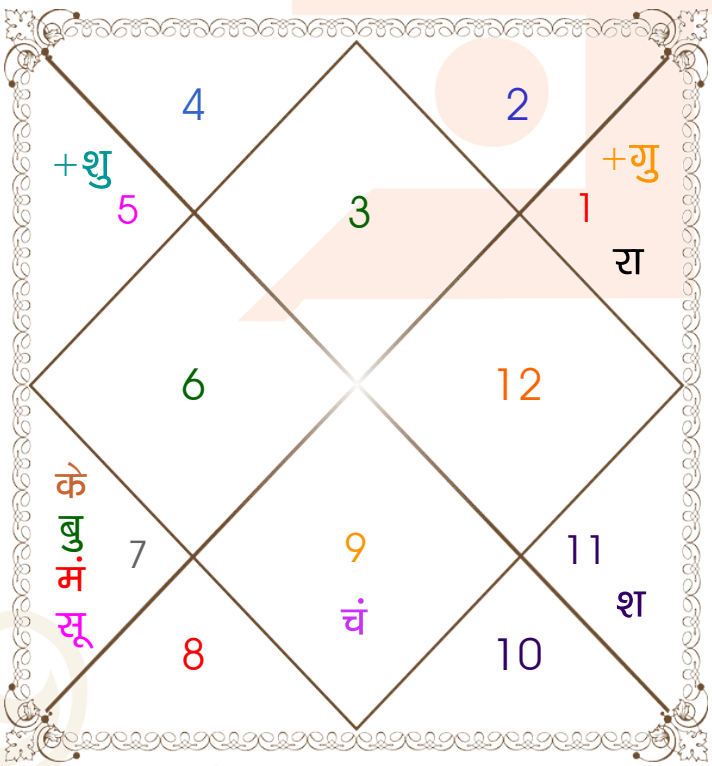

चन्द्र कुंडली

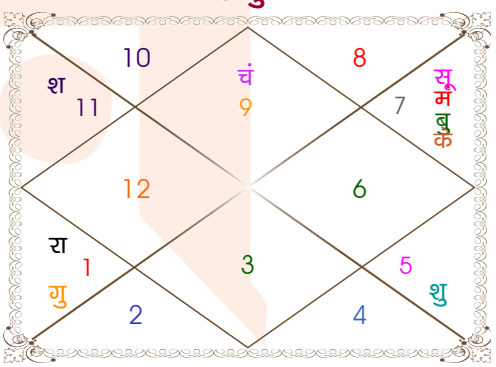

नवमांश कुंडली

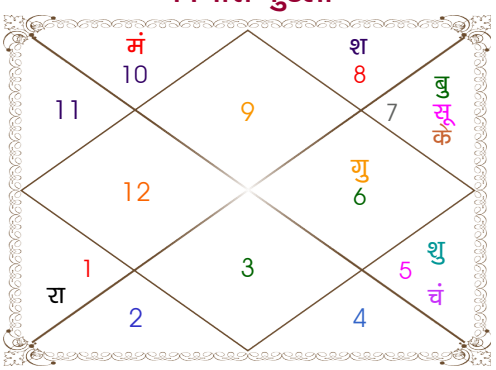

Arawali jyotish and vaastu
Pt rakesh s khandelwal
Arawali nagar
near shiv mandir
lohagal ajmer
9799933111
ptrakeshkhandelwal@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 11 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/10/2023		30/09/2042		29/09/2048		30/09/2058		29/09/2065	
30/09/2042		29/09/2048		30/09/2058		29/09/2065		30/09/2083	
शुक्र	29/01/2026	सूर्य	17/01/2043	चंद्र	31/07/2049	मंगल	26/02/2059	राहु	12/06/2068
सूर्य	29/01/2027	चंद्र	19/07/2043	मंगल	01/03/2050	राहु	15/03/2060	गुरु	05/11/2070
चंद्र	29/09/2028	मंगल	24/11/2043	राहु	31/08/2051	गुरु	19/02/2061	शनि	11/09/2073
मंगल	29/11/2029	राहु	18/10/2044	गुरु	30/12/2052	शनि	31/03/2062	बुध	31/03/2076
राहु	29/11/2032	गुरु	06/08/2045	शनि	31/07/2054	बुध	28/03/2063	केतु	18/04/2077
गुरु	31/07/2035	शनि	19/07/2046	बुध	30/12/2055	केतु	24/08/2063	शुक्र	18/04/2080
शनि	30/09/2038	बुध	25/05/2047	केतु	30/07/2056	शुक्र	24/10/2064	सूर्य	13/03/2081
बुध	31/07/2041	केतु	30/09/2047	शुक्र	31/03/2058	सूर्य	28/02/2065	चंद्र	11/09/2082
केतु	30/09/2042	शुक्र	29/09/2048	सूर्य	30/09/2058	चंद्र	29/09/2065	मंगल	30/09/2083

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/09/2083		30/09/2099		01/10/2118		01/10/2135		01/10/2142	
30/09/2099		01/10/2118		01/10/2135		01/10/2142		00/00/0000	
गुरु	17/11/2085	शनि	04/10/2102	बुध	26/02/2121	केतु	27/02/2136	शुक्र	21/10/2143
शनि	30/05/2088	बुध	13/06/2105	केतु	24/02/2122	शुक्र	28/04/2137		00/00/0000
बुध	05/09/2090	केतु	23/07/2106	शुक्र	24/12/2124	सूर्य	03/09/2137		00/00/0000
केतु	12/08/2091	शुक्र	21/09/2109	सूर्य	31/10/2125	चंद्र	04/04/2138		00/00/0000
शुक्र	12/04/2094	सूर्य	03/09/2110	चंद्र	01/04/2127	मंगल	31/08/2138		00/00/0000
सूर्य	29/01/2095	चंद्र	04/04/2112	मंगल	29/03/2128	राहु	19/09/2139		00/00/0000
चंद्र	30/05/2096	मंगल	13/05/2113	राहु	16/10/2130	गुरु	25/08/2140		00/00/0000
मंगल	06/05/2097	राहु	19/03/2116	गुरु	21/01/2133	शनि	04/10/2141		00/00/0000
राहु	30/09/2099	गुरु	01/10/2118	शनि	01/10/2135	बुध	01/10/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 11 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Arawali jyotish and vaastu
Pt rakesh s khandelwal
Arawali nagar
near shiv mandir
lohagal ajmer
9799933111
ptrakeshkhandelwal@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।